भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

भविष्य के लिए नवाचार: आईआईटी भुवनेश्वर में ओपन इनोवेशन कार्यशाला

भुवनेश्वर, 14 सितंबर 2024: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर के अनुसंधान एवं उद्यमिता पार्क (आरईपी) ने 13 और 14 सितंबर 2024 को दो दिवसीय ओपन इनोवेशन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य कॉर्पोरेट नेताओं को तैयार करना था प्रभावी ढंग से सहयोग करें और उभरते रुझानों, तकनीकी सफलताओं और विघटनकारी रणनीतियों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करें जो नवाचार परिदृश्य को नया आकार दे सकें। इंडिया एक्सेलेरेटर के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य कॉरपोरेट्स और उद्यमियों को खुली नवाचार पद्धतियों से लैस करना है, जिससे उन्हें आगे की सोच वाले समाधान विकसित करने और उद्योग की चुनौतियों का समाधान करने के लिए बाहरी हितधारकों और स्टार्टअप्स की सामूहिक बुद्धिमत्ता का उपयोग करने में सक्षम बनाया जा सके। इस कार्यक्रम में एनटीपीसी, टाटा स्टील, ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया और बजाज इलेक्ट्रिकल्स जैसी अग्रणी कंपनियों के कॉर्पोरेट लीडर, इनोवेशन मैनेजर और आर एंड डी टीमें एक साथ आईं।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आधुनिक संदर्भ में क्षमता निर्माण की अवधारणा में कौशल विकास, अनुसंधान क्षमता और उद्यमिता शामिल होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा: "नवाचार तब होता है जब हमारा दृष्टिकोण पिछले अनुभव से समृद्ध होता है लेकिन उससे सीमित नहीं होता। चार दशक पहले केवल पैसा कमाने के रूप में समझी जाने वाली उद्यमिता को आज एक धन सृजन कौशल के रूप में माना जाता है जिसे छात्रों को उनकी उच्च शिक्षा के दौरान पेश किया जाता है। यह विकसित देशों में पाठ्यक्रम के अवलोकन से पता चलता है। उद्यमिता मानसिकता विकसित करने के उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में संस्थान द्वारा की गई पहल पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा: "आईआईटी भुवनेश्वर, अपने अनुसंधान और उद्यमिता पार्क के माध्यम से दूरदर्शी उद्यमियों, उद्योग के नेताओं और शोधकर्ताओं को संसाधन और सलाह प्रदान करके सशक्त बनाने का मिशन रखता है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, हम स्कूली छात्रों, कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों के बीच उद्यमिता के विचारों का बीजारोपण कर रहे हैं। संवेदीकरण अभियान चलाने के अलावा, हम ऐसे पाठ्यक्रमों को शामिल करने के लिए अपने पाठ्यक्रम में संशोधन कर रहे हैं जो अनुसंधान और उद्यमिता का स्वाद प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, आरईपी आईआईटी भुवनेश्वर के सीईओ डॉ. शुभंकर पति ने कहा: “हमारा मिशन विचारों और निष्पादन के बीच की खाई को पाटना है, एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहां रचनात्मकता को अवसर मिलते हैं। आरईपी में, हम अत्याधुनिक संसाधन, विशेषज्ञ परामर्श और एक सहयोगी वातावरण प्रदान करते हैं जो नवीन अवधारणाओं को प्रभावशाली समाधानों में बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यशाला नवोदित उद्यमियों के लिए कॉर्पोरेट नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है, जो उन्हें उद्योग की समस्याओं को दूर करने वाले समाधान डिजाइन करने में सक्षम बनाती है।

प्रो. पी. दिनकर, डीन (प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श) और प्रो. देबी प्रोसाद डोगरा, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी भुवनेश्वर ने भी इस अवसर पर बात की और प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न ज्ञानवर्धक सत्र थे, जिनमें श्री अरिंदम मुखोपाध्याय, पार्टनर और कॉर्पोरेट इनोवेशन हेड, इंडिया एक्सेलेरेटर द्वारा ओपन इनोवेशन का परिचय; श्री दीपक शर्मा, सह-संस्थापक, इंडिया एक्सेलेरेटर और आईए लैब्स द्वारा स्टार्ट-अप और स्टार्टअप इकोसिस्टम की समझ; श्री शांतम शुक्ला, उद्योग विशेषज्ञ द्वारा वास्तविक दुनिया में ओपन इनोवेशन; सहयोग करने की रणनीतियाँ श्री निखिल सुथार, लीड पार्टनरशिप, इंडिया एक्सेलेरेटर द्वारा। कार्यशाला में विभिन्न पैनल चर्चाएँ और समूह गतिविधियाँ भी शामिल थीं।